28 अक्टूबर, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के "तालीमी मेला" के रंगारंग कार्यक्रम के दूसरे दिन भारी भीड़ उमड़ी

आज दिनांक 28.10.2016 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया के 96वें स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन "कंट्रोवर्सिज अराउंड जेनेटिकली मोडिफाइड क्रॉप्स" विषय पर दिए गए व्याख्यान में प्रो. दीपक पेंटल, पूर्व कुलपति दिल्ली विश्वविद्यालय ने कहा कि ''बीसवीं सदी के इतिहास को देखें तो बहुत कुछ बदला हुआ है। मोलाक्यूलर बॉयोलॉजी जैसी उपलब्धियों ने दुनिया को बदल दिया है। ह्यूमन इंसुलिन के कारण बहुत बड़ा बदलाव आया है।" उन्होंने संकेत किया कि 1900 ई. में पूरे विश्व की जितनी आबादी थी, 2050 ई. में उतनी केवल भारत की आबादी होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में जेनेटिक मोडिफिकेशन और क्रॉप्स की तरफ़ ज़्यादा ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि "वी नीड सस्टेनेबल इंटेसीफिकेशन ऑफ एग्रीकल्चर" तकनीक द्वारा आर्थिक और प्राकृतिक संसाधनों का कम इस्तेमाल करके ज़्यादा उत्पादन लिया जाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए खुशी ज़ाहिर की कि प्रो. तलत अहमद ने उन्हें जामिया में बुलाया और साथ ही उन्होंने प्रो. तलत अहमद के साथ अपने संबंधों की चर्चा की।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति, प्रो. तलत अहमद ने कहा कि जब वह दिल्ली विश्वविद्यालय के भू–गर्भ विज्ञान विभाग के अध्यक्ष थे, उस समय प्रो. दीपक पेंटल दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति थे। आज प्रो. दीपक पेंटल के जामिया आने पर उन्हें हार्दिक प्रसन्नता हुई।

आज के दिन का दूसरा आकर्षण श्री शाहिद सिद्दिक़ी, पत्रकार एवं पूर्व राज्यसभा सांसद द्वारा "चेंजिंग ट्रेंड्स इन मीडिया इन द 21 सेंचुरी" पर दिया गया व्याख्यान था। श्री शाहिद सिद्दिक़ी ने "तालीमी मेला" की तारीफ करते हुए कहा कि वह बचपन से जामिया के "तालीमी मेला" के बारे में जानते हैं। वह बल्लीमारान से "तालीमी मेला" देखने आते थे। "तालीमी मेला" सिर्फ़ जामिया का ही मेला नहीं है, बल्कि ये पूरी दिल्ली का एक कल्चरल इवेंट है। यह मेला हमें संस्कृति, परंपरा और उर्दू से भी जोड़ता है। मीडिया के बदलते हुए हालात की चर्चा करते हुए उन्होंने मीडिया में आए बड़े तकनीकी बदलावों पर प्रकाश डाला और कहा कि "21वीं सदी पावर ऑफ मीडिया को सेलिब्रेट करती है, हमें एक कदम आगे रहना होगा और जामिया के लिए यह मुश्किल नहीं है। जामिया ने देश का सर्वोत्तम मॉस कम्युनिकेशन तैयार किया है। आपके वाइस चांसलर के पास आउट ऑफ बॉक्स सोच है। उनके पास आइडिया हैं और वे लोगों से जुड़े हुए हैं।" लोगों की मीडिया के प्रति समझ पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह नहीं मानते कि मीडिया को न्यूट्रल होने की ज़रूरत है बल्कि वह मानते हैं कि मीडिया को ऑब्जेक्टिव होने की ज़रूरत है। उन्होंने टर्की के सोशल मीडिया की ऑब्जेक्टिविटी के संबंध में यह कहा कि आज मीडिया लिटरेसी की ज़रूरत है ताकि लोग मीडिया के पूर्वाग्रह को देख और समझ सकें।

इस अवसर पर कुलपति और श्री शाहिद सिद्दिक़ी द्वारा सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केन्द्र के न्यूज़लेटर 'एक्सप्रेशन' 'जेंडर कंसेंसस एंड कैम्पस' और हिंदी विभाग द्वारा 'जामिया समाचार' न्यूज़लेटर का भी लोकार्पण किया गया।

प्रो. साइमा सईद
मानद उप मीडिया समन्वयक